आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–13 जनवरी 2025 सान्ध्य समाचार

विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ आज पौष पूर्णिमा के अवसर पर महाकुंभ नगर में अमृत स्नान के साथ शुरू हो गया। यह छब्बीस फरवरी तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के शुभारंभ पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। पहले दिन आज करीब एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों और आगंतुकों ने गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी के विभिन्न घाटों पर पवित्र डुबकी लगाई। इस मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि–

महाकुंभ दो हजार पच्चीस का जो प्रथम अमृत स्नान है वह आज सुबह ब्रह्ममुहूर्त से शुरू हुआ है। लगभग एक करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम क्षेत्र में स्नान किया है। जो हमारी सुरक्षा व्यवस्था जिस तरह से हम लोगों ने प्लानिंग की थी कि हमारे जो सात मेन रोड्स हैं जो कि प्रयागराज की तरफ आते हैं जहां से मैक्सिमम रोड ट्रैफिक आती हैं तथा नौ हमारे रेलवे स्टेशंस हैं। इसके अतिरिक्त कुछ हमारे एयर मोड से भी लोग आ रहे हैं तो सभी चीजों की व्यवस्था की गई जो हमने पांच लाख गाड़ियां लगाने की व्यवस्था की, वो लगभग आज साठ प्रतिशत वो भर गई थी।

अनुष्ठान स्नान के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम पर कल्पवास की प्राचीन परंपरा का भी पालन कर रहे हैं। हमारे प्रयागराज प्रतिनिधि ने बताया कि महाकुंभ में लगातार दूसरे दिन कल मकर संक्रांति पर भी अमृत स्नान होगा।

****

महाकुंभ के दौरान वाराणसी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वाराणसी नगर निगम ने कई विभागों के साथ मिल कर एक क्विक रिस्पांस टीम तैयार किया है जो चौबीस घंटे काम करेगी। यह जानकारी वाराणसी नगर निगम के नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने आज पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम ने एक पांच तीन तीन हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है जिसके जरिये आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। वहीं, महाकुंभ के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गई है। धाम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने इस संबंध में एक अपील कर कहा है कि–

और अट्ठाइस फरवरी तक जो कुंभ हमारा समाप्त हो जाएगा उसके पश्चात महाशिवरात्रि तक प्रोटोकॉल हमारा लागू रहेगा जिसमें पूर्ण रूप से स्पर्श दर्शन सदैव प्रतिबंधित हैं। मंगला आरती के अतिरिक्त अन्य किसी आरती का टिकट भी नहीं जारी किया जा रहा है। सभी आरतियों के साथ साथ दर्शन चलते रहेंगे।

उधर, जौनपुर जिले से महाकुंभ नगर तक वहां के श्रद्धालु निःशुल्क बस सेवा का लाभ उठा सकेंगे। पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने महाकुंभ रथयात्रा नाम से इस सेवा की पहल की है ताकि जौनपुर जिले के अधिकाधिक श्रद्धालु महाकुंभ स्नान कर सकें।

****

पौष पूर्णिमा पर आज अयोध्या के सरयू नदी समेत प्रदेश के कई तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं ने स्नान कर पूजा पाठ किया । अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि, नागेश्वरनाथ और कनक भवन समेत विभिन्न मंदिरों में लोग पूरे दिन दर्शन पूजन करते रहे। मान्यता है कि आज के दिन सरयू नदी में स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर बृजघाट और अमरोहा जिले के गंगा धाम तिगरी समेत प्रदेश के अन्य पवित्र नदियों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने आज पौष पूर्णिमा पर आस्था की डुबकी लगाई।

****

सूर्य के उत्तरायण होने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला मकर संक्रांति का त्योहार कल से प्रदेश में खिचड़ी पर्व के रूप में मनाया जाएगा । गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखपुर में इसे विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। कल लाखों की संख्या में श्रद्धालु गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाएंगे। हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट–

सबसे पहले सुबह चार बजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गुरु गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ाएंगे। इसके बाद नेपाल राष्ट्र से आई खिचड़ी मुख्यमंत्री द्वारा चढ़ाई जाएगी। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए कपाट खोल दिए जाएंगे। आकाशवाणी समाचार के लिए गिरीश नारायण चौबे गोरखपुर

कल से ही गोरखनाथ मंदिर में एक माह तक चलने वाला खिचड़ी मेला भी शुरू हो जाएगा। इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को इस पर्व की बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि मकर संक्रांति पर सूर्यदेव की राशि में हुआ परिवर्तन अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर करने का प्रतीक है।

****

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज वहां के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज स्थित आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित किया। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों पर आधारित इस तीन दिवसीय संगोष्ठी के दूसरे दिन श्री योगी ने अपना व्याख्यान दिया।

****